

LKG RHYMES (CYCLE 1)-HINDI

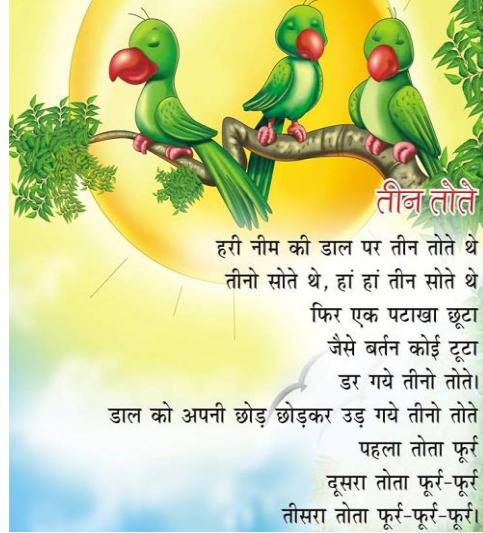
अपना घर

इक चिड़िया के बच्चे चार,
घर से निकले पंख पसार।
आसमान में उड़ते जाएं,
अपने मन में ये इतराए।
धूम-धूमकर जब घर आए,
मम्मी को ये बात बताए।
देख लिया है जग सारा,
अपना घर है सबसे प्यारा।



तीन तोते

हरी नीम की डाल पर तीन तोते थे
तीनो सोते थे, हां हां तीन सोते थे
फिर एक पटाखा छूटा
जैसे बर्तन कोई टूटा
डर गये तीनो तोते।
डाल को अपनी छोड़ छोड़कर उड़ गये तीनो तोते
पहला तोता फूर्
दूसरा तोता फूर्-फूर्
तीसरा तोता फूर्-फूर्-फूर्।



हमने तीन चीजें देखीं,
दादा तीन चीजें देखीं।

मकड़ी-ककड़ी-लकड़ी

एक डाल पर थी इक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,
मकड़ी खा रही थी ककड़ी।



लकड़ी, मकड़ी, ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

उठो लाल अब आँखें खोलो



उठो लाल अब आँखें खोलो
पानी लाई हूं मुंह धो लो

बीती रात कमल दल फूले
उनके ऊपर भंवरे झूले

चिड़ियां चहक उठी पेड़ों पर
बहने लगी हवा अति सुंदर

नभ में न्यारी लाली छाई
धरती ने प्यारी छवि पाई

भोर हुई सूरज उग आया
जल में पड़ी सुनहरी छाया

नहीं नहीं किरणें आई
फूल खिले कलियां मुस्काई

इतना सुंदर समय न खोओ
मेरे प्यारे अब मत सोओ